

धन्यवाद | by Pravesh Sharma

धन्यवाद उस प्रेमी का हमको जो खाटू लाया
उसके लिए भी मांगो जिसने श्याम से मिलाया
कृपा बनाये रखना सबपे ही बाबा हर दिन

खाटू की ज़मी पे रखा हमने जो पहला कदम
खुशियों की हुई शुरुआत दूर होने लगे अब ग़म

खाटू की इस माटी को माथे पे जो लगाया
खोया हुआ भरोसा वापस है लौट आया
श्याम जैसा मीत मिला मुस्कुराने लगे अब हम
खाटू की ज़मी पे रखा हमने जो पहला कदम

खाटू की इस धरती में कुछ तो है बात प्यारे
हारे को जीत मिलती सच होते सपने सारे
पीछे मुड़ के देखा ना कभी क्या थे क्या हो गए हैं हम
खाटू की ज़मी पे रखा हमने जो पहला कदम

न स्वर्ग न ही बैकुंठ किसी लोक से है तुलना
खाटू में जन्म लेना देवो का भी है सपना
मोहित की यही ख्वाहिश खाटू जी में निकले दम
खाटू की ज़मी पे रखा हमने जो पहला कदम
खुशियों की हुई शुरुआत दूर होने लगे अब ग़म

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a7%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%8d-by-pravesh-sharma/>